बच्चों के लिए द्विभाषी संस्करण
Bilingual Editions for Children

दोस्त | Friend

कहानी : प्रचेत गुप्ता
Story : Pracheta Gupta



चित्र
देबब्रत घोष
Illustrations
Debabrata Ghosh

6 से 8 वर्ष के बच्चों के लिए
For Children of the
age group 6 to 8 years

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत एक स्वायत्त निकाय है जो भारत सरकार (उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय) द्वारा 1957 में किताबों और पठन को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया था। बच्चों के लिए द्विभाषी संस्करणों की श्रृंखला के तहत यह पुस्तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशानिर्देशों के अनुसार द्विभाषी प्रारूप में प्रकाशित की गई है, जिसका उद्देश्य बच्चों के लिए पूरक पठन-सामग्री का निर्माण करना है ताकि वे देश के बहुभाषी ताने-बाने के साथ तालमेल बैठा सकें।

डिसक्लेमर

इस द्विभाषी संस्करण के लिए कहानी का उपयुक्त रूप से संपादन किया गया है।

The National Book Trust, India is an autonomous body established by the Government of India (Department of Higher Education, Ministry of Education) in the year 1957, to promote books and reading. This title has been published in Bilingual format under the series 'Bilingual Editions for Children' as per the guidelines of the National Education Policy 2020 with the objective to create supplementary reading materials for children to help them adapt suitably to the multilingual fabric of the country.

Disclaimer

The story has been suitably edited for this bilingual edition.

इस पुस्तक का मूल संस्करण मार्च 2008 को अगरतला, त्रिपुरा में आयोजित लेखक-चित्रकार कार्यशाला में तैयार किया गया था।

The original edition of this title was developed in an author-illustrator workshop organised at Agartala, Tripura in March 2008.

ISBN 978-81-237-9631-4

पहला द्विभाषी संस्करण (हिंदी-अंग्रेजी) : 2021 (*शक* 1942)
प्रथम हिंदी संस्करण : 2009
प्रथम अंग्रेजी संस्करण : 2009
बंधु *(मूल बांग्ला)*
फ्रंड *(अंग्रेजी अनुवाद)*
दोस्त *(हिंदी अनुवाद)*

₹ 40.00
निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110 070 द्वारा प्रकाशित
www.nbtindia.gov.in

ISBN 978-81-237-9631-4

First Bilingual Edition (Hindi-English) 2021 (*Saka* 1942)
First Hindi Edition 2009
First English Edition 2009
Bandhu *(Original Bangla)*
Friend *(English Translation)*
Dost *(Hindi Translation)*

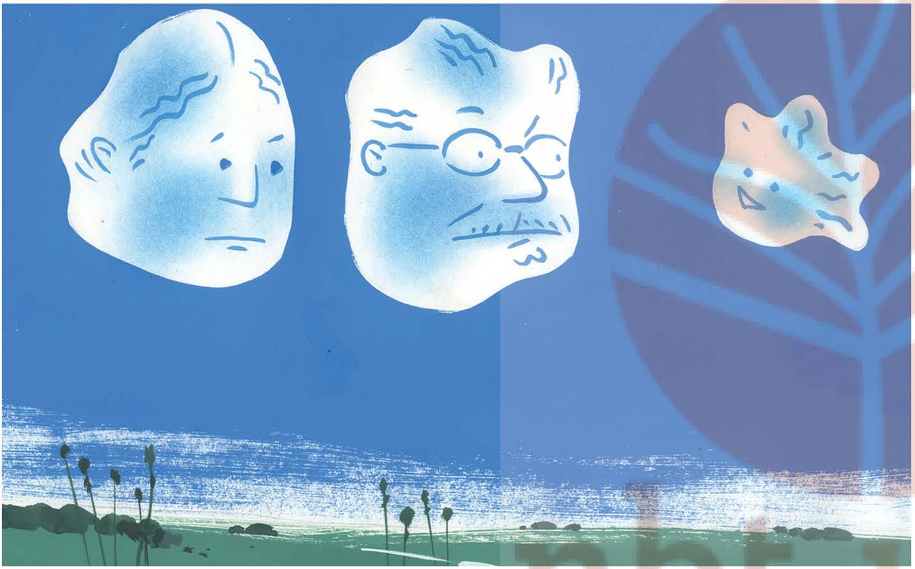
₹ 40.00
Published by the Director, National Book Trust, India
Nehru Bhawan, 5 Institutional Area, Phase-II
Vasant Kunj, New Delhi-110 070
www.nbtindia.gov.in

नेहरू बाल पुस्तकालय
Nehru Bal Pustakalaya

NATIONAL EDUCATION POLICY 2020
बच्चों के लिए द्विभाषी संस्करण
Bilingual Editions for Children

दोस्त | Friend

प्रचेत गुप्ता | Pracheta Gupta



मूल बांग्ला से अंग्रेजी अनुवाद
स्यान चौधरी

अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद
कमाल अहमद

चित्र
देबब्रत घोष

Translated from
the Original Bangla into English
Sayan Chaudhuri

Translated from
English into Hindi
Kamal Ahmed

Illustrations
Debabrata Ghosh

nbt.india
एकः सूते सकलम्
राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA

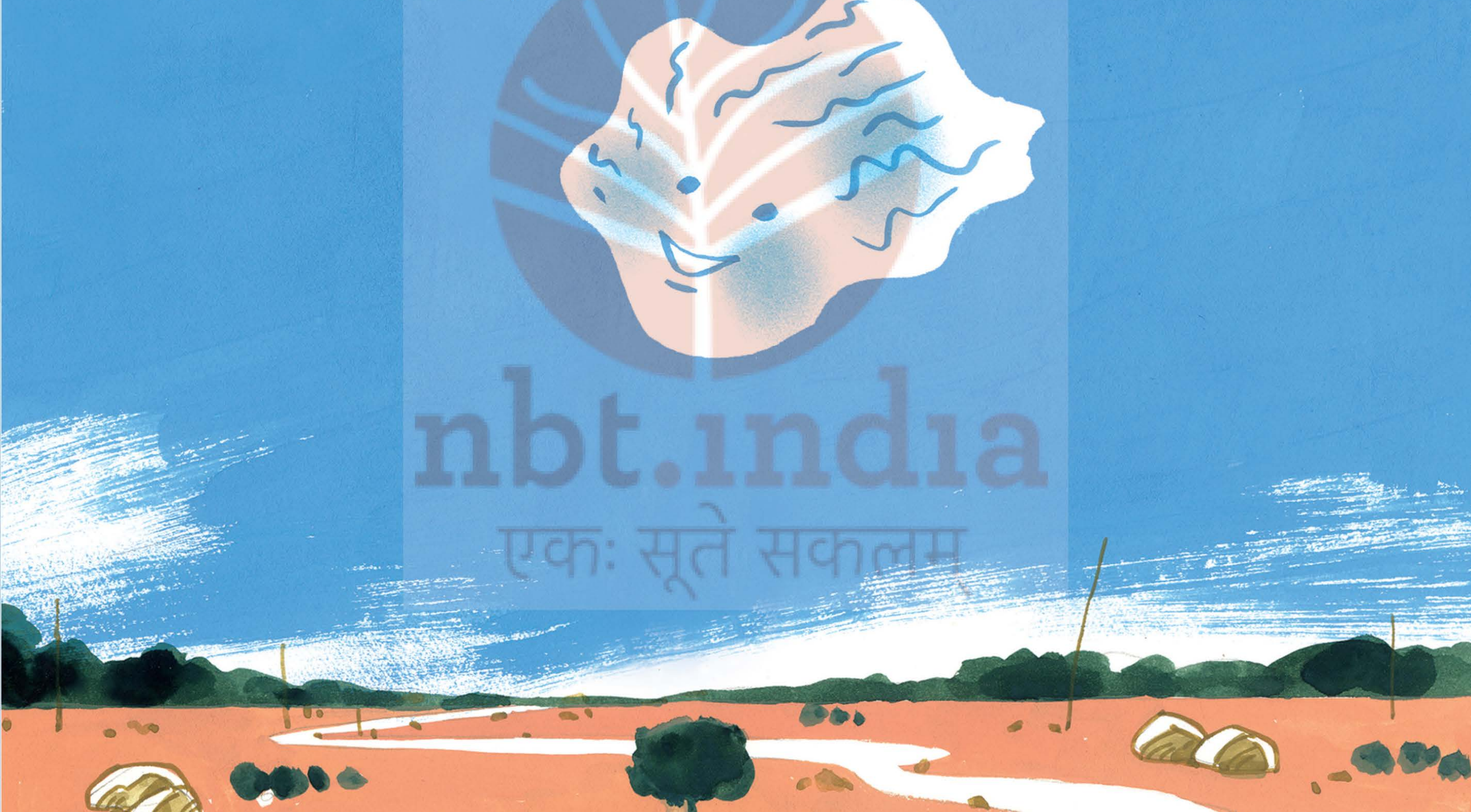
तुलतुले एक सुंदर और सौम्य बादल-शिशु है। वह बहुत ही खूबसूरत और रूई के समान कोमल है।

Tultule is the name of a cute and fluffy baby cloud. She is very beautiful and soft like cotton.



लेकिन वह बहुत नटखट है और कभी शांत नहीं बैठ सकती। चंचल तुलतुले विशाल नीले आकाश में एक जगह से दूसरी जगह घूमती रहती है।

But she is also very naughty and cannot sit calmly. She keeps moving from one place to another in the vast blue sky.



परिवार के बुजुर्ग तुलतुले को डाँटते हैं और उसे शांत रहने की सीख देते हैं। तुलतुले हँसकर बोलती है, ''मैं चारों तरफ घूमना पसंद करती हूँ, मैं आलसी की तरह नहीं बैठ सकती।''

Other elderly clouds scold Tultule. They instruct her to sit quiet. Tultule laughs and says, "I love floating around, I cannot sit idle."



तुलतुले ज्यादा उत्साह के साथ नाचती है। सुबह की कोमल रोशनी में वह नहाना पसंद करती है। दोपहर के वक्त वह सूरज की तेज रोशनी का सेवन करती है।

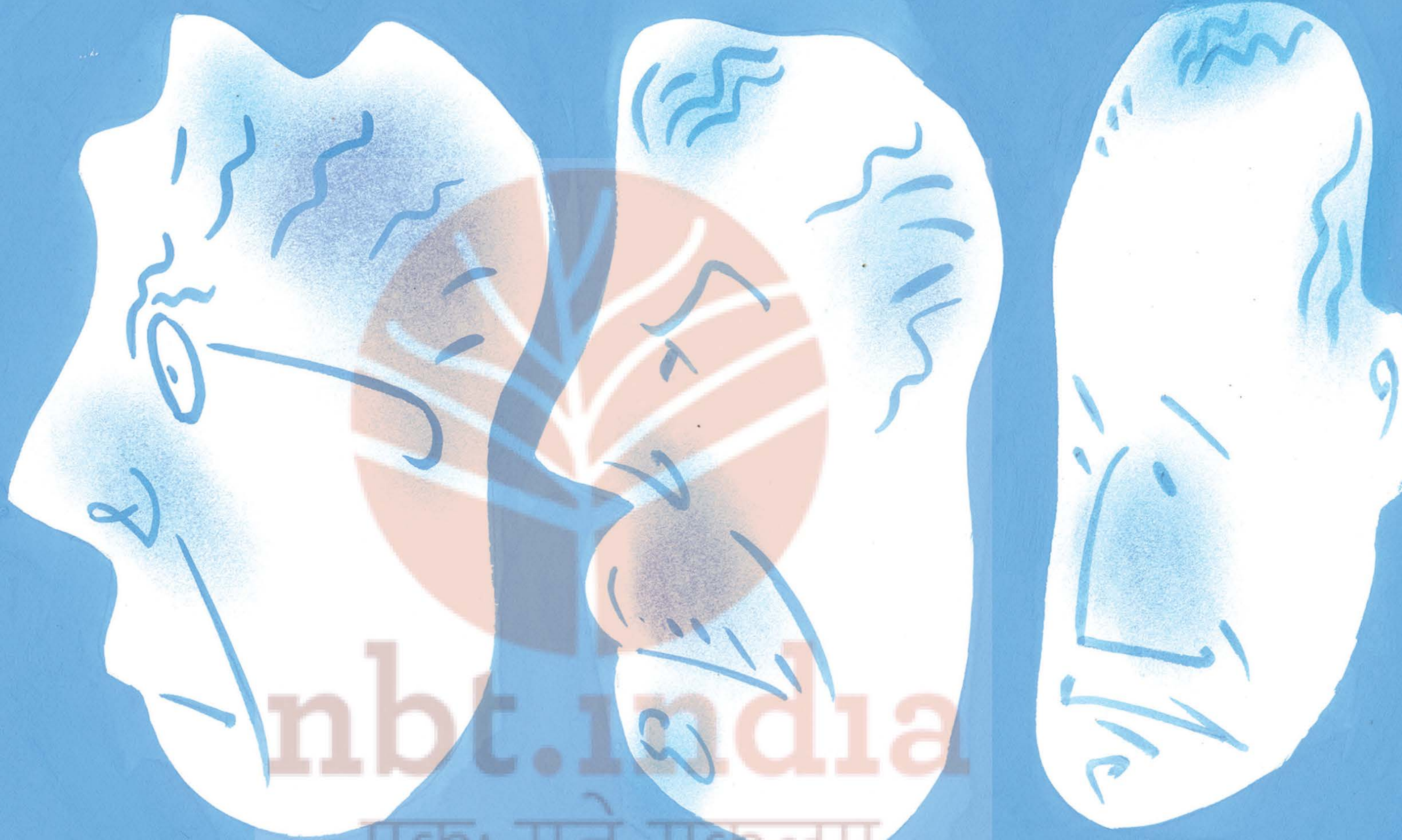
Tultule dances with even greater zest. She loves to bathe in the soft morning light. In the afternoon, she basks in the sunlight.



रात में तुलतुले एक सुंदर रानी की तरह दिखती है। बिंदी की तरह उसके ललाट पर चमकता हुआ चाँद और उसके शरीर के चारों ओर टिमटिमाते हुए तारे आभूषण की तरह लगते हैं।

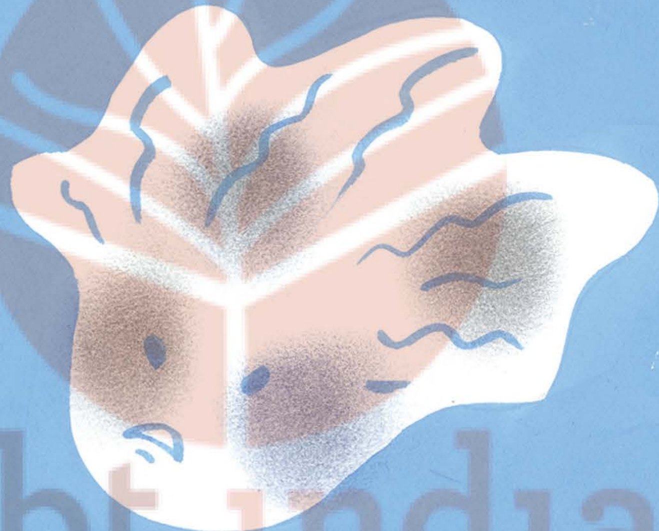
At night, Tultule looks like a fairy queen. With moon shining like a *bindi* and stars twinkling over her body like jewels.





एक दिन तुलतुले अपने शरीर पर एक काला धब्बा पाती है। बुजुर्ग उसे चेतावनी देते हैं, ''तुलतुले, तुम हमारी कभी नहीं सुनती। अब तुम वर्षा बनकर गायब हो जाओगी!''

One fine day, Tultule discovers a black spot on her body. Elders warn her, "Tultule you never listen to us. Now you will disappear with the rain!"

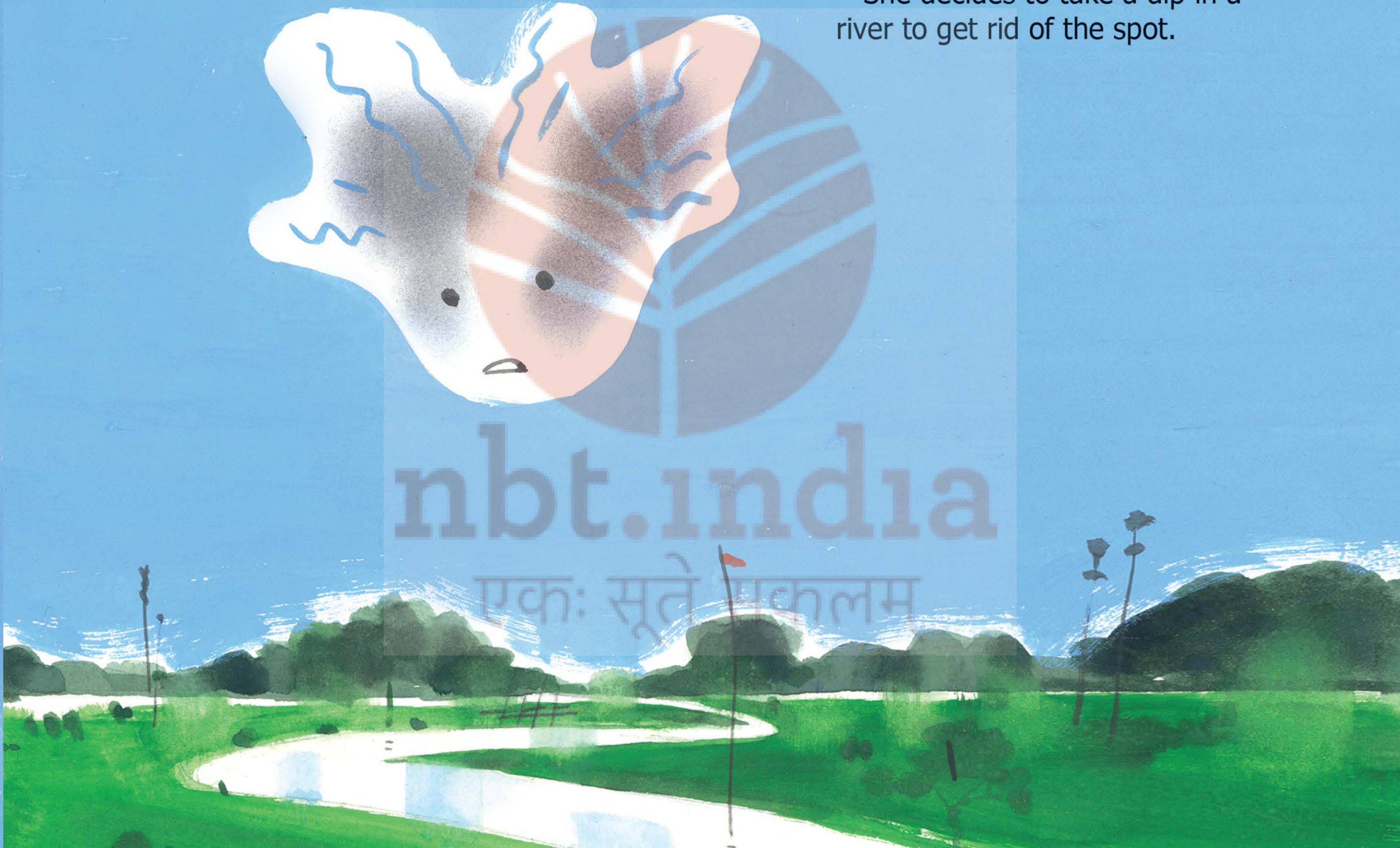


धीरे-धीरे काला धब्बा बढ़ने लगता है। तुलतुले भयभीत है। वह रोना चाहती है, क्योंकि धब्बा बढ़ता ही जा रहा है। वह उदास है। वह पहले की तरह स्वच्छ और सुंदर रहना चाहती है।

Gradually the black spot spreads. Tultule is afraid. She feels like crying because the spot is becoming bigger. She feels sad. She wants to remain fair and beautiful.

इस धब्बे से छुटकारा पाने के लिए वह नदी में जाकर नहाने का निर्णय लेती है।

She decides to take a dip in a river to get rid of the spot.



नदी की खोज में वह तेज रफ्तार से घूमना शुरू करती है।

Tultule starts moving faster in search of a river.



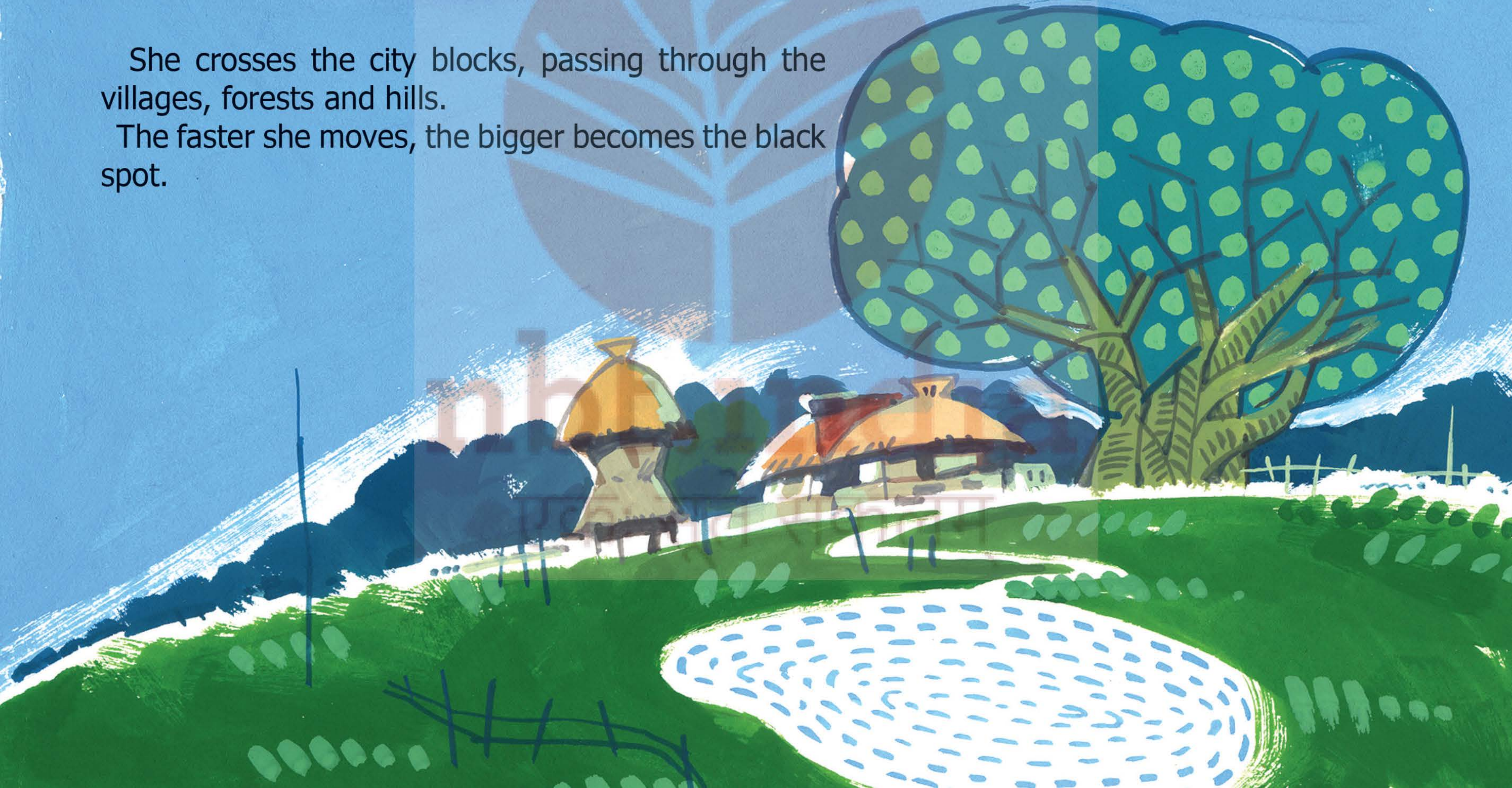
गाँव, जंगल और पहाड़ों से गुजरती हुई वह शहरों को पार करती है।

जैसे-जैसे वह तेज गति से बढ़ती है, वैसे-वैसे काला धब्बा बढ़ता जाता है।



She crosses the city blocks, passing through the villages, forests and hills.

The faster she moves, the bigger becomes the black spot.





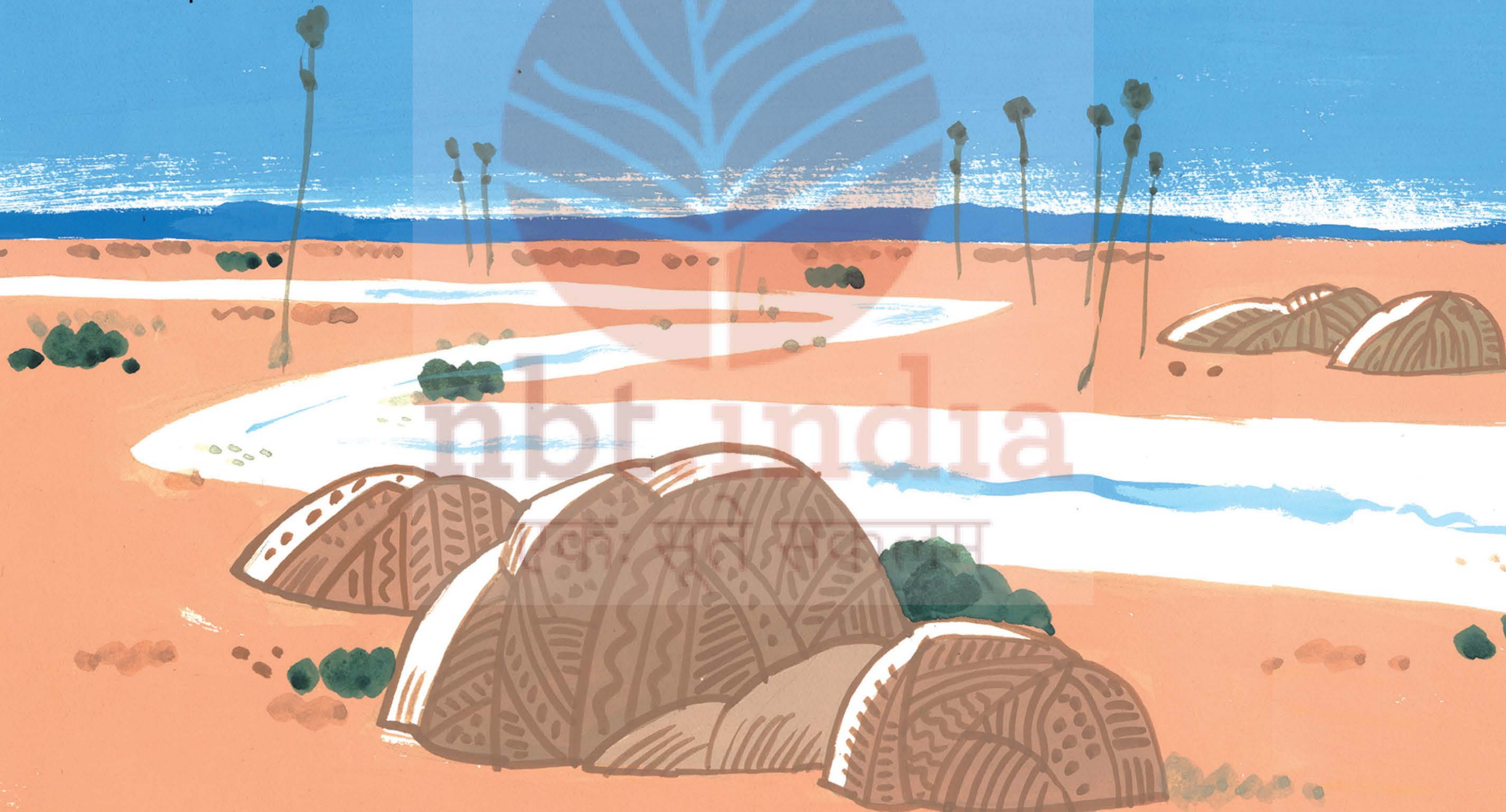
अंततः उसे नदी मिल ही जाती है। पर उस समय तक वह पूरी काली हो चुकी होती है।
At last, she reaches the river. But that time she had turned completely black.



नदी भी सूखी है।

वह नदी से पूछती है, ''नदी, नदी, तुम्हारा पानी कहाँ है? मैं अपने काले धब्बे को धोना चाहती हूँ।''

The river is also dry!
She asks the river, "River, river where is your water? I want to wash away my black spot."



''बादल नहीं हैं सो वर्षा नहीं हो रही है, इसलिए मेरे पास पानी नहीं है! मुझ पर कुछ वर्षा करो,'' नदी उससे आग्रह करती है।

"There is no cloud, no rain, so I have no water! Please shower some rain on me," pleads the river.

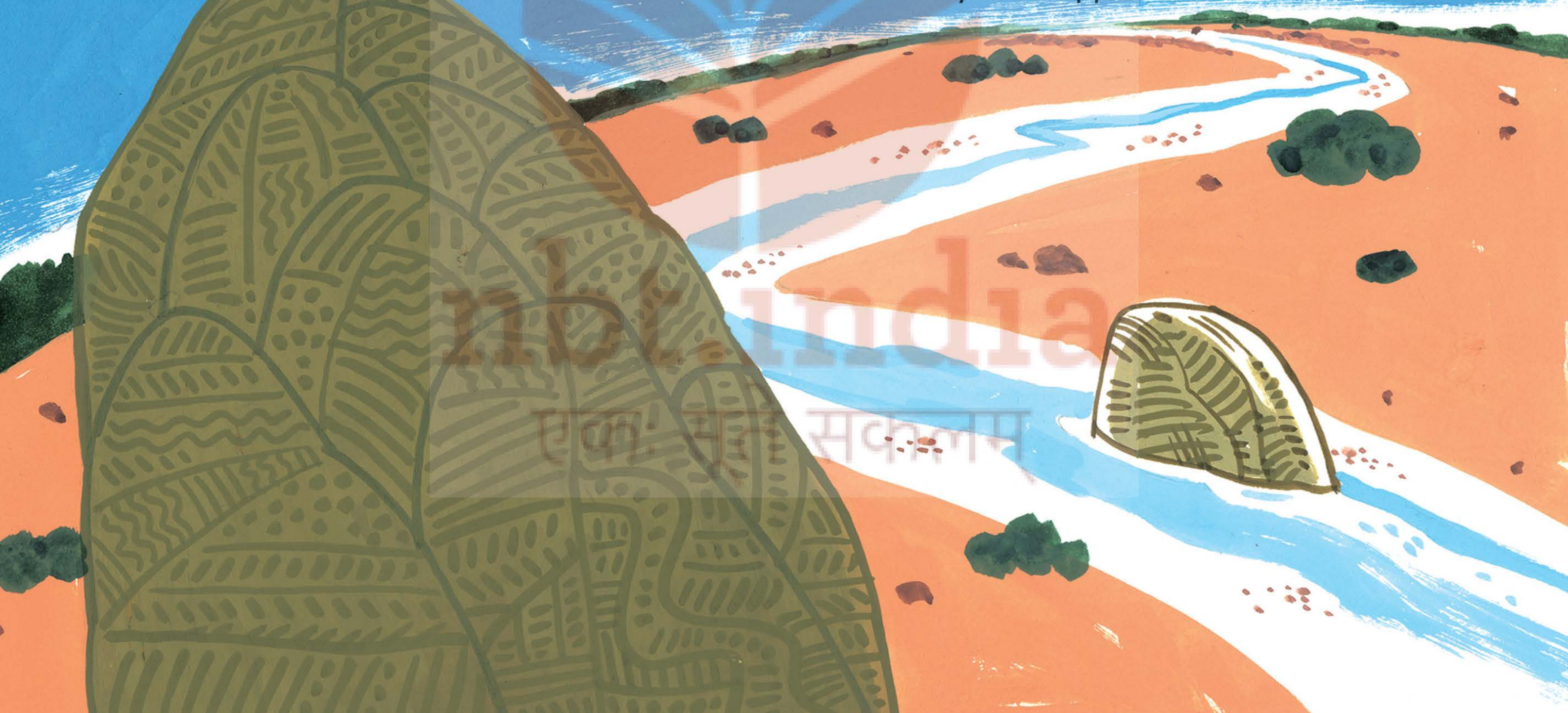


यह सुनकर तुलतुले रोना शुरू कर देती है, ‘‘ओह! मैं वर्षा के रूप में नीचे नहीं आ सकती, क्योंकि यह मेरे जीवन को समाप्त कर देगा।’’

नदी मुस्कुराकर उससे कहती है, ‘‘प्रिय! तुम निराश मत हो। मैं बहुत भरोसेमंद दोस्त हूँ। मैं तुम्हें विलुप्त नहीं होने दूँगी। मुझ पर विश्वास रखो।’’

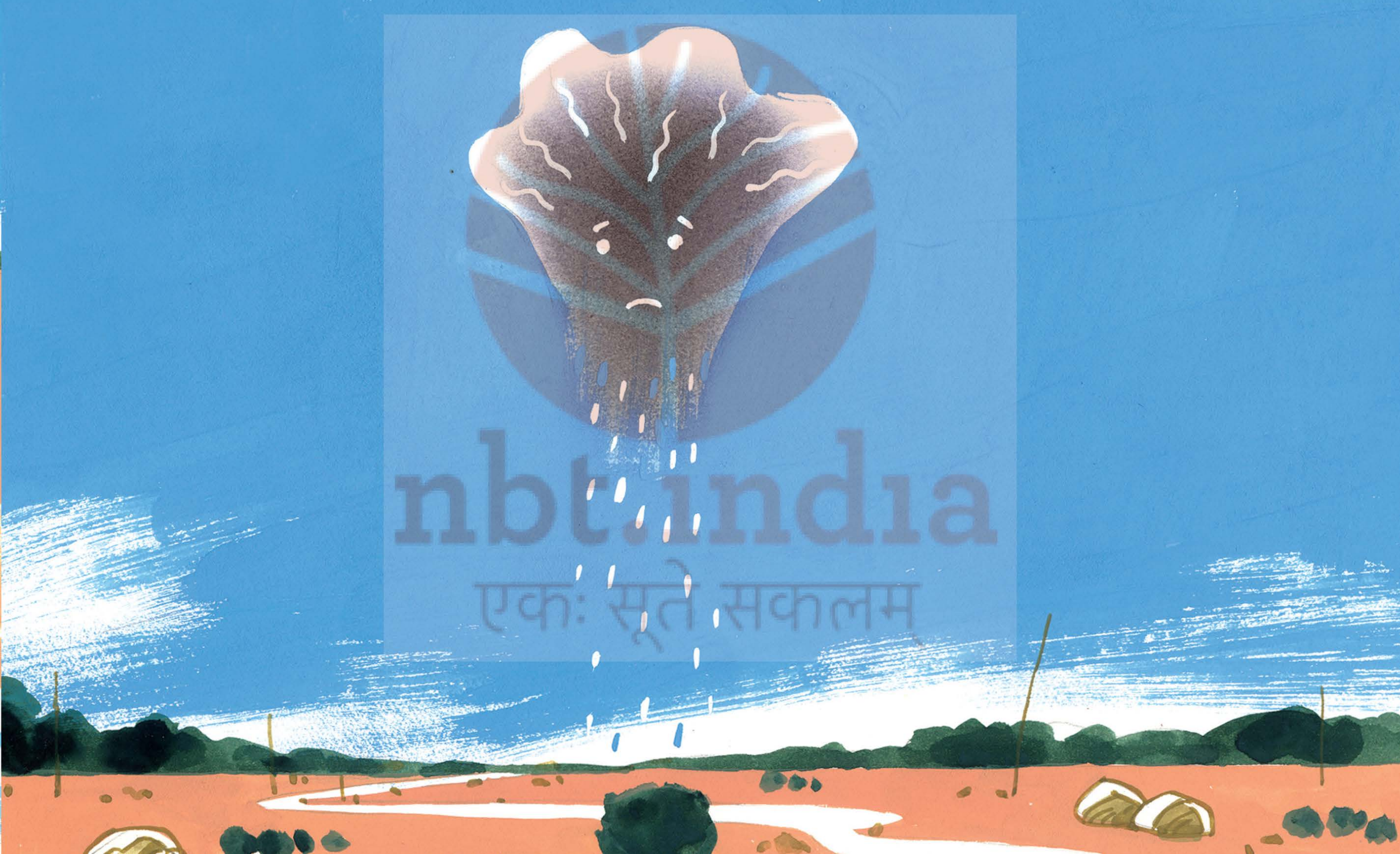
Hearing this, Tultule starts crying. “Oh! I cannot come down as rain because that will be the end of me.”

The river smiles and says, “Don’t you worry, dear. I am the most reliable friend. I shall not let you disappear. Trust me.”



तुलतुले वर्षा बनकर नीचे गिर पड़ती है। सच्चे दोस्त की तरह नदी वर्षा को स्वीकार करती है।

Tultule drops down as rain. Like a true friend, the river embraces the rain.



धीरे-धीरे नदी पानी से भर जाती है और खुश होकर समुद्र की तरफ चल देती है।
Slowly the river swells with water and happily moves towards the ocean.



जैसे ही नदी समुद्र से मिलती है, एक नई तुलतुले का जन्म होता है!
As the river meets the ocean, a new Tultule is born!



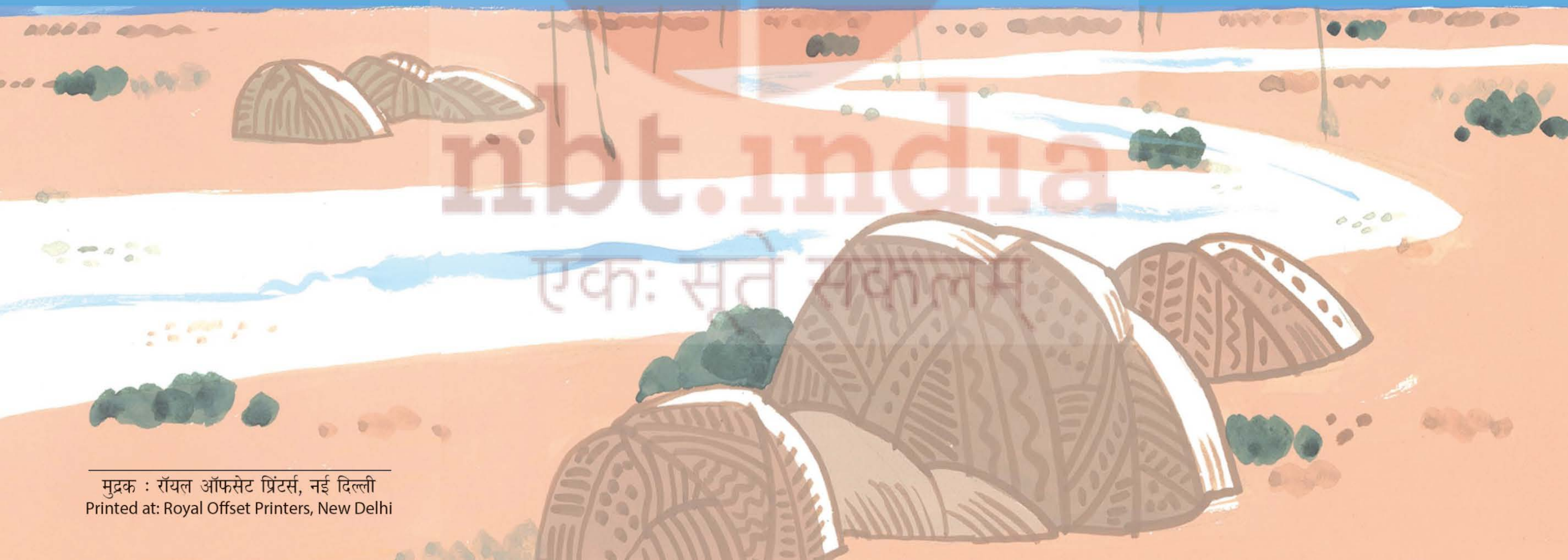
जो पहले से कहीं ज्यादा सौम्य, कोमल और सुंदर है।

And she is even softer, fluffier and more beautiful!



प्रचेत गुप्ता बांग्ला भाषा के लेखक और पत्रकार हैं। उनकी कुछ कहानियाँ हिंदी, ओड़िया और मराठी भाषा में अनूदित हैं।
स्यान चौधरी प्रख्यात अनुवादक हैं, जिन्होंने बच्चों की कई पुस्तकों का अनुवाद किया है।
कमाल अहमद बिहार के एक कॉलेज में हिंदी के सहायक प्राध्यापक हैं। वे पहले राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के संपादकीय विभाग में भी कार्यरत थे।
देबब्रत घोष को कई बाल-पुस्तकों का श्रेय प्राप्त है। उनकी चित्र-शैली शब्दों में जान डाल देती है।

Pracheta Gupta is a Bangla writer and journalist. Few of his stories have been translated into Hindi, Odia and Marathi language.
Sayan Chaudhuri is an accomplished translator who has translated many books for children.
Kamal Ahmed is an Assistant Professor in Hindi at a college in Bihar. He has once associated with the editorial department of National Book Trust, India.
Debabrata Ghosh has many children's books to his credit. The style of his illustrations enliven the text.



मुद्रक : रॉयल ऑफसेट प्रिंटर्स, नई दिल्ली
Printed at: Royal Offset Printers, New Delhi

यह कहानी तुलतुले नाम के नटखट बादल की है, जिसे अपने शरीर पर एक काला धब्बा मिलता है तथा वह सुंदर दिखने के लिए उस धब्बे को धोना चाहती है। लेकिन नदी सूखी पड़ी है। फिर वह अपने धब्बे को कैसे धोती है?

This story is about a naughty cloud named Tultule who discovers a black spot on her body and wants to wash it away to become beautiful. But the river is dry. Then how Tultule will wash her spot?

nbt.india
एकः सूते सकलम्
राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA

₹ 40.00
ISBN 812379631-5
20212098